अब... मात्रा के बजाय फसल की गुणवत्ता पर देना होगा ध्यान

कादमा-हरियाणा। आज अनेक प्रकार की भयंकर बीमारियां हमारे खान-पान और खेती बाड़ी में रासायनिक खादों के प्रयोग के कारण बढ़ रही हैं इसलिए हमें अपनी प्राचीन कृषि पद्धति पर लौटना होगा, तभी हम स्वस्थ व सुखी जीवन, साथ ही उपस्थित किसानों को ये संकल्प कराया भी। कृषि विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र कौशिक ने जैविक खेती के साथ भारतीय कृषि पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देश में सरप्लस खाद्यान्न हैं, जिसके चलते मात्रा के बजाय गुणवत्ता का

व्याधि मुक्त जीवन व्यतीत कर सकते हैं। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने सभी को अध्यात्म के बल द्वारा शाश्वत और यौगिक खेती से अपने जीवन को स्वस्थ बना भारत देश को पुनः विश्व गुरू बनाने का संकल्प लेने को कहा। ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि मनुष्य और धरती माता दोनों की सेहत बनी रहे। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञ नित्यानंद यादव ने कहा कि आज किसान के कृषक के बजाय प्रबंधक की भूमिका में होने के कारण खेती घाटे का व्यवसाय बनती जा रही है। मौके पर ब्रह्माकुमारी द्वारा जैविक यौगिक खेती में अग्रणी किसानों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन ब्र.कु.ज्योति ने किया।

राष्ट्रीय किसान दिवस पर... सभी एक मत पर...

अच्छे संकल्पों के साथ खेती होगी अच्छी

मेहसाणा-गुज.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय किसान दिवस को 'किसान सम्मान दिवस' के रूप में मनाया गया। ब्रह्माकुमारीज़ के गॉडली पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में एफ.के. मोढ़,संयुक्त बागायत नियामक,महेसाना ने कहा कि कोई भी कार्य योग अर्थात् सर्व के सहयोग के बिना पूर्ण नहीं होता है। वास्तव में खेती एक दिव्य व्यवसाय है। इस दिव्य व्यवसाय में किसी के प्रति विरोध भाव न रखते हुए एक दूसरे को सहयोग देते हुए हम खेती करें। मुख्य वक्ता,कोरडेट इफ्को,कलोल के प्रशिक्षण अधिकारी ब्र.कु. जिग्नेश प्रजापति ने कहा कि बीज से लेकर फसल तैयार होने तक उसकी पालना हमारी धरती माता ही करती है। फिर भी हम खेत से निकले कचरे को खेत में ही जलाकर हमारी धरती माँ को बीमार कर देते हैं। उन्होंने सभी से संकल्प करवाया कि खेत से निकले हुए कचरे को जलायेंगे नहीं लेकिन उसका अन्य विधि से निकाल करेंगे।

एक-एक बीज को शुभ संकल्प, शुभ प्रकम्पन देकर धरती माँ की गोद में डालेंगे तो हमारी खेती बहुत अच्छी होगी। उन्होंने किसानों से जैविक-यौगिक खेती का महत्व समझाते हुए यह खेती करने के लिए अनुरोध किया। ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि जब तक हमारे अंदर की वृत्ति में सकारात्मक परिवर्तन नहीं आयेगा तब तक हम सशक्त नहीं बन पायेंगे। इसलिए हम व्यसनमुक्त बनकर अच्छे गुणों को जीवन में धारण कर परमात्मा की याद में खेती करें। इसको ही शाश्वत खेती कहते हैं। कार्यक्रम में किसान प्रशिक्षण केन्द्र,महेसाना के असिस्टेंट डायरेक्टर एल.के. पटेल, संयुक्त खेती नियामक,वितरण, महेसाना के जे.वी. उपाध्याय तथा महेसाना नगर पालिका के उप प्रमुख कानजी भाई देसाई ने भी अपनी शुभ भावनाएं व्यक्त कीं। जिले के 250 किसानों ने कार्यक्रम का लाभ लिया। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. कुसुम बहन ने सभी का स्वागत किया। ब्र.कु. नीता ने राजयोग का अभ्यास कराया एवं मंच का संचालन किया।

नवीन शोध अब ऑर्गेनिक खेती की ओर

ब्र.कु. ओम प्रकाश भाई जी के 6वें पुण्य स्मृति दिवस एवं राष्ट्रीय किसान दिवस पर कार्यक्रम

खण्डवा-आनंद नगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ इन्दौर ज़ोन के पूर्व क्षेत्रीय निर्देशक ब्र.कु. ओम प्रकाश भाई जी के 6वें पुण्य स्मृति दिवस एवं राष्ट्रीय किसान दिवस पर आयोजित 'किसान सम्मान समारोह' में लगभग 40 अन्नदाताओं का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि कृषि सृजन का विज्ञान है। वर्तमान समय कृषि के क्षेत्र में हो रहे नवीन शोध एवं आर्गेनिक खेती को अपनाकर कृषक अधिक और उच्च गुणवत्ता का उत्पादन ले रहे हैं। उपकुलपति रवि चतुर्वेदी ने कहा कि किसान देश की रीढ़ है, कोरोना काल में भारत की अर्थव्यवस्था नहीं डगमगाने का एक ही कारण है कि भारत कृषि प्रधान देश है। शैलेन्द्र जलोदिया,जिला मंत्री,किसान संघ ने सभी से अपील करते हुए कहा कि जब हम बड़े-बड़े मॉल में बिना मोल-भाव के वस्तु खरीदते हैं, तो हमें उन छोटे-छोटे किसान भाइयों का ध्यान रखकर उनकी उपज भी बिना मोल-भाव के खरीदनी चाहिए जिससे किसानों का आर्थिक स्तर भी ऊंचा उठ सके। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शक्ति बहन ने कहा कि वर्तमान समय यौगिक खेती का समय है जिसके प्रयोग से किसान अपनी फसल का उत्पादन बढ़ाने के साथ फसल की गुणवत्ता में भी सुधार कर सकते हैं। धरमचन्द पटेल,प्रांतीय अध्यक्ष,किसान संघ ने भी अपने विचार रखे। संचालन ब्र.कु. सीमा राठौर बहन ने किया।

किसान के सम्मान से ही देश की शान

कामठी-महा.। राष्ट्रीय किसान दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की सदस्य एवं स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता दीदी ने कहा कि जग का अन्नदाता ही नहीं लेकिन देश की अर्थव्यवस्था का आधार कहे जाने वाले किसानों के कर्त्तव्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का यह दिन है। किसानों का सम्मान ही देश की शान है। क्षेत्रीय जैविक खेती प्रशिक्षण केंद्र के सीनियर साइंटिस्ट डॉ. वाचस्पति पांडेय ने कहा कि समय की मांग है कि हमें सिर्फ और सिर्फ जैविक खेती करनी है। कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के सदस्य डॉ. महेन्द्र ठाकुर ने कहा कि प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने का प्रमुख कार्य किसानों को ही करना है क्योंकि खेती के अवशेषों का समुचित उपयोग कर हम धरती माँ की सुरक्षा, सूक्ष्म जीवों की सुरक्षा, पर्यावरण की सुरक्षा और मानव

जीवन की सुरक्षा प्रदान करने वाले सच्चे देशभक्त और माँ भारती के लाल बनने का सौभाग्य प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में सभी को जैविक यौगिक खेती करने की प्रतिज्ञा कराई गई। बड़े रूप में यौगिक खेती करने वाले महेन्द्र ठाकुर, कामठी पंचायत समिति के सभापति सेवक उईके तथा कापसे, सरपंच सुवर्णाताई साबळे, उपसरपंच आरतीताई कुळसकर सहित सैकड़ों किसानों ने कार्यक्रम का लाभ लिया। अंत में दिवंगत सीडीएस जरनल बिपिन रावत, मधुलिका रावत और वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। मंच संचालन ब्र.कु वंदना और अभार ब्र.कु शिला ने किया।

किसान के सम्मान में कार्यक्रम का हुआ शान से आयोजन

कार्यक्रम में... 100 से अधिक महिला किसानों ने लिया हिस्सा

ऑनलाइन के द्वारा भी जुड़े रहे सैकड़ों किसान भाई-बहनें

बीदर-रामपुरे कॉलोनी(कर्नाटक)। राष्ट्रीय किसान दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में करीब 25 गांव से 250 पुरुष एवं महिला किसानों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र से जुड़े अधिकारी गण भी शामिल हुए। इस अवसर पर कर्नाटक राज्य प्रगति पर किसान प्रशस्ति विजेता किसानों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. सुनंदा दीदी,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ने किसानों को शाश्वत यौगिक खेती करने के लिए प्रेरित किया। रसायनमुक्त खेती कर फल सब्जियां उगाने की सलाह देते हुए उपस्थित किसानों

को प्रतिज्ञा भी कराई। ब्र.कु. किसान महेश भाई ने ब्रह्माकुमारीज़ के शाश्वत यौगिक खेती प्रोजेक्ट की जानकारी दी और इस कार्य के दौरान मिले अपने सुंदर अनुभव को साझा किया। मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्र.कु. सरस्वती बहन ने कर्मों की गति से अवगत कराते हुए अनाज की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए किसानों को राजयोग मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। उपस्थित किसान भाइयों ने भी अपने जैविक कृषि से जुड़े हुए अनुभवों को साझा किया तथा उपस्थित अतिथियों ने किसानों की उन्नति के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की। आरंभ में ब्र.कु. पार्वती बहन ने अतिथियों का शब्द सुमनों द्वारा स्वागत किया तथा कार्यक्रम में सम्मिलित होने पर किसानों का आभार प्रकट किया। ब्र.कु. पारू बहन ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में धनराज हंगर्गी,नगरसेवक, एन. केंगेगौड,कृषि उप निर्देशक बीदर, डॉ. रवि देशमुख,रिटायर्ड सीनियर साइंटिस्ट, कृषि विज्ञान केन्द्र बीदर, जाफर मियां, प्रगति पर किसान एवं जिला राजस्व कृषि प्रशस्ति विजेता, वीर भूषण नंद गांव, अध्यक्ष,रयत संघ बीदर, महादेव नागुरे चटनाली,प्रगति पर किसान प्रशस्ति विजेता, अरुण रेड्डी,प्रगति पर किसान प्रशस्ति विजेता व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Feb, 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org